(Pages : 6) L – 1038

Reg. No. : .....

Name : .....

## Second Year B.A. Degree Examination, April 2021

## Hindi Language and Literature

## Part III : Paper-II : POETRY

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. (a) किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. पूत पियारो पिता कौं, गौंहनि लगा धाइ।

लोभ मिठाई हाथ दै, आपण गया भुलाइ।।

अगनि जु लागी नीर मैं, कंदू जलिया झारि।

उत्तर दक्षिण के पंडिता, रहे बिचारि बिचारि।।

2. महरि मुदित उलटाइ कै मुख चूमन लागी।

चिरजीवौ मेरौ लडिलौ, मै भई सभागी।

एके पाख त्रय-मास कौ मरौ मेरौ भयौ कन्हाई।

पटकि राल उलटौ परयौ, मैं करौं बधाई।

नंद धरनि आनँद भरी, बोलीं ब्रजनारी।

यह सुख सुनि आई सबै, सूरज बलिहारी।।

gcwcentrallibrary.in

3. पदकंजानि मंजु बनी पनहीं, धनुहीं सर पंकज-पानिलिएँ।

लरिका सँग खेलत डोलत है सरजू-तट चौहट हाट हिएँ।।

तुलसी अस बालक सौं नहिं नेहु कहाँ जँप जोग समाधिकिएँ।

नर वे खर सूकर स्वान समान कहौ जग में फलु कौन पिएँ।।

4. रे कपिपोत बोलु संभारी। मूढ न जानेहि मोहि सुरारी।।

कहु निज नाम जनक कर भाई। केहि नाते मानिए मिताई।।

अंगद नाम बालि कर बेटा। तासों कबहुँ भई ही भेटा।।

अंगद बचन सुनत सकुचाना। रहा बलि बानर मैं जाना।।

अंगद तहीं बालि कर बालक। उपजेहु बंस अनल कुल घालक।

येन गायहु व्यर्थ तुम्ह जायहु। निजमुख तापस दूत कहायहु।।

अब कहु कुसल बालि कहँ अहई। बिहाँसि वचन तब अंगद कहई।।

दिन दस गएँ बालि पहिं जाई। बूझेहु कुसल सखा उर लाई।।

राम विरोध कुसल जसि होई। सो सब तोहि सुनाइहि सोई।।

सुनु सठ भेद होइ मन ताकें। श्रीरघुवीर हृदय नहिं जाकें।।

**(2 × 5 = 10 Marks)**

(b) किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. बाल्कि केवल यही:

ये उपमान मैले हो गए है।

देवता इन प्रतीकों के कर गए हैण कूच

कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है।

gcvcentrallibrary.in

2. हम सबके दामन पर दाग

हम सबकी आत्मा में झूठ

हम सबके माथे पर शर्म

हम सबके हाथों में टूटी तुलवारों की मूठ

3. शायद कल उनकी समाधियाँ नहीं बनेगी

जो मरने के पूर्व

कफन और फूलों का

प्रबन्ध नहीं कर लेंगे

4. चुप रहो जरा सपना पूरा हो जाने दो,

घर की मैना को जरा प्रभाती गावे दो

खामोश धरा-आकाश, दिशाये सोयी है।

तुम क्या जानो क्या सोच रात भर रोती है?

5. खण्डन लोग चाहते है या कि मण्डन

या फिर केवल अनुवाद लिसलिसाता भक्ति से

स्वाधीन इस देश में चौंकते है लोग

एक स्वाधीन व्यक्ति से

gcwcentrallibrary.in

6. वक्त बहुत कम है।

इसलिए कविता पर बहस

शुरू करो।

और शहर को अपनी ओर झुका लो

क्योंकि असली अपराधी का

नाम लेने के लिए

कविता, सिर्फ उतनी ही देर तक सुरक्षित है

जितनी देर, कीमा होने से पहले,

कसाई के ठीहे और तनी हुई गँडास के बीच

बोटी सुरक्षित है।

7. किन्तु

भूख और क्षुधा नाम को जिसका

ऐसी किसी व्याधि का पता नहीं हमको

सावधान महाराज,

नाम नहीं लीजिएगा

हमारे समक्ष फिर कभी भूख का।

gcwcentrallibrary.in

**(4 × 5 = 20 Marks)**

II. किन्हीं चार प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए।

1. कबीरदास को 'वाणी का डिक्टेटर' कहा जाता है। सिद्ध कीजिए।

2. सूरदास वात्सल्य और श्रृंगार के कवि है। सिद्ध कीजिए।

3. लोकमंगल तुलसी के काव्य का आदर्श है। विचार कीजिए।

4. मीरा की भक्तिभावना पर विचार कीजिए।

5. कबीरदास की भक्ति भावना की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

6. जायसी की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. हिन्दी साहित्य का कौन-सा काल स्वर्ण युग कहलाता है। क्यों?

**(4 × 5 = 20 Marks)**

III. किसी **एक** कविता का आस्वादपरक विश्लेषण कीजिए।

1. प्रेत का बयान।

2. पराजित पीढी की गीत

**(1 × 15 = 15 Marks)**

IV. किन्हीं **चार** प्रशनों के लघु उत्तर लिखिए।

1. यह दीप अकेला कविता की मूल संवेदना क्या है?

2. स्वाधीन व्यक्ति कविता में चित्रित कवि कर्म की सार्थकथा पर प्रकाश डालिए।

3. ' सागर-तट' कविता का भाव समझाइए।

4. 'मुनासिब कारवाई' में चित्रित क्रान्तिकरिता पर प्रकाश डालिए।

5. 'कालिदास से' कविता में अभिव्यक्त कविताओं की रचना प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

6. 'सुहागिन के गीत' में अभिव्यक्त प्रणय पर टिप्पणी लिखिए।

7. 'सत्य के गरबीले अन्याय न सह' कविता में चित्रित जनवादी चेतना पर प्रकाश डालिए।

gowcentrallibrary.in

**(4 × 5 = 20 Marks)**

V. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए।

1. 'सौंदर्य बोध' कविता में चित्रित ढोंग।

2. 'फूल मोमबत्तियाँ, सपने' में चित्रित जीवन के उल्लास और अवसाद।

3. 'कलगी बाजरे की' में अभिव्यक्त नये उपमान।

4. 'ओ मेघ' कविता में अभिव्यक्त प्रकृति।

5. 'सागर तट' कविता में चाक्षुस बिम्ब।

**(3 × 5 = 15 Marks)**

gcwcentrallibrary.in